पाठ 8. गवाही देने वाला पेड़

पाठ का परिचय

यह कहानी बीरबल की बुद्धिमत्ता, सूझ-बूझ और न्यायप्रियता को दर्शाती है। दो मित्र थे। उनमें से एक तीर्थयात्रा पर जाने लगा तो उसने अपनी जीवन भर की जमा पूँजी अपने मित्र के पास रख दी और कहा कि वह वापस लौटकर ले लेगा। परंतु जब वह यात्रा से लौटा तो उसके मित्र ने कहा कि उसने उसे कोई जमा पूँजी नहीं दी है। वह समझ गया कि मित्र के मन में लालच आ गया है। उसने बीरबल से सहायता लेने का निश्चय किया। अगले दिन बीरबल ने दोनों को दरबार में बुलाया और पूछा कि उसने किस स्थान पर धन अपने मित्र को दिया था। उसने बताया कि आम के बाग में एक पेड़ के नीचे। बीरबल ने उसे तुरंत उस पेड़ को गवाही के लिए बुला लाने को कहा। उस बेचारे को कुछ समझ में नहीं आया पर वह पेड़ को बुलाने चला गया। जब काफ़ी देर तक वह नहीं लौटा तो दरबारियों ने बोला कि वह इतनी देर तक क्यों नहीं लौटा तब तक दूसरा मित्र बोला पड़ा कि अभी तो वह उस पेड़ तक पहुँचा भी नहीं होगा। बीरबल ने उससे पूछा कि जब उसने अपने मित्र से कोई धन लिया ही नहीं तो उसे कैसे पता लगा कि वह पेड़ इतनी दूर है कि वह अभी वहाँ पहुँचा भी नहीं होगा। उसकी चालाकी पकड़ी गई। तब तक पहला मित्र भी लौट आया और बोला कि उसके लाख बोलने पर भी पेड़ गवाही के लिए नहीं आया। बीरबल ने कहा कि पेड़ की गवाही हो गई है। कपटी मित्र को अपने मित्र का सारा धन लौटाकर उससे क्षमा माँगनी पड़ी।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

कभी किसी का हक नहीं मारना चाहिए। अगर किसी से कोई वादा किया है तो उसे अवश्य पूरा करना चाहिए।

पाठ का वाचन

कहानी का आदर्श वाचन करें। बच्चों को हर पंक्ति ध्यान से सुनने को कहें। बीच-बीच में कहानी पर आधारित प्रश्न पूछें। कठिन शब्दों को बार-बार दोहराएँ। बच्चों से उनके उच्चारण तीन-तीन बार करने को कहें। संभव हो तो इस कहानी का नाट्य रूपांतरण करके कक्षा में इसका मंचन करवाएँ।

महत्वपूर्ण चर्चा

अकबर और बीरबल के किस्सों पर बच्चों से चर्चा करें –

- किन-किन बच्चों को ये किस्से पसंद आते हैं?
- ये किस्से उन्हें क्यों पसंद आते हैं?
- बीरबल की हाज़िरजवाबी से तुम क्या सीखते हो?
- इस कहानी में सबसे अच्छी बात तुम्हें क्या लगी?
- क्या तुम्हें बीरबल का कोई किस्सा पता है?